विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ **दिनांक -17- 10-2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पाठ -13 संगति का प्रभाव नामक कहानी के बारे में अध्ययन करेंगे ।

पाठ -13

संगति का प्रभाव

एक पुराने आम के पेड़ पर तोते का एक परिवार रहता था। परिवार में दो नन्हें तोते थे, जिन्होंने कुछ दिन पहले ही उड़ना सीखा था। एक का नाम था कटू और दूसरे का मटू। एक रात जब सब चैन से सो रहे थे, अचानक तेज आँधी आई। हवा के तेज झोकों से पेड़ की डालियाँ टूट-टूट कर गिरने लगीं। जान बचाने के लिए तोतों का परिवार भी सुरक्षित स्थान की खोज में निकल पड़ा। अँधेरी रात थी, जिसे जहाँ जगह मिली, दुबक कर बैठ गया। सुबह होते-होते तूफान शांत हो गया।

कटू की जब आँख खुली तो उसने देखा कि वह जिस मजबूत शाखा पर बैठा है उस पर खूब अमरूद लगे हैं। नीचे एक कुटिया है, जिसके सामने एक साधु बाबा ध्यान में मग्न हैं। तेज हवा में सारी रात उड़-उड़ कर वह थक चुका था, भूख भी लगी थी।

पके अमरूद खाकर उसने पहले पेट -पूजा की फिर प्रसन्नता से टाँय – टाँय करने लगा ।

कट्टू की टाँय – टाँय से साधु बाबा का ध्यान टूट गया। पेड़ पर तोते को देखकर वे मुस्कुराए और उसे इशारे से अपने पास बुलाया ।

साधु ने उसे उसकी मनपसंद हरी मिर्च और भीगे बादाम खिलाए दोनों में मित्रता हो गई बाबा जी के शिष्यों के साथ कट्टू भी बैठ जाता ।

उसने जल्दी ही राम - राम हरे राम सीख लिया बाबाजी भी उसे रोज कुछ ना कुछ सिखाते रहते ।

बाबा की देखादेखी वह भी बाहर से आए मेहमानों के आने पर कहता ,स्वागत है आपका ' नमस्ते ' आसन पर विराजे' पानी पीजिए। सब उसकी प्यारी प्यारी बातें सुनकर प्रसन्न होते।

शेष कल अध्ययन करेंगे।